आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 12.10.2025 समय : 0705

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि सुधारों पर किया बड़ा ऐलान। उन्होंने कहा भारत का कृषि नियात हुआ दुगना।
- अंडमान के मछुआरे दुराई सेल्वम ने प्रधानमंत्री मोदी से की खास मुलाकात। श्री मोदी ने समुद्री क्षेत्र में टूना मछली ध्यान केन्द्रित करने की सलाह।
- दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त ने टीबी मुक्त भारत अभियान की छठीं समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।
- पर्यटन निदेशालय की ओर से सतत पर्यटन पर व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल पीएम धन–धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन जैसी प्रमुख योजनाओं का उद्घाटन किया। इन योजनाओं में भारत सरकार पैंतीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी, जिससे किसानों की स्थिति में सुधार की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत का कृषि निर्यात दोगुना हो गया है। इसके अलावा, भारत दुनिया में सबसे बड़ा दूध उत्पादक है, वहीं शहद उत्पादन भी 2014 से दुगना हो गया है। साथ ही, भारत अब मछली उत्पादन में भी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीएसटी सुधारों के तहत कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों को कम कर किसानों को राहत दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री ने किसानों के हित में कई योजनाओं को लागू किया, जिनसे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से अब तक 3 लाख 90 हजार करोड़ रुपये किसानों के खाते में भेजे गए हैं।

<><><><><><><><>

नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह के मछुआरा दुरई सेल्वम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। दुरई सेल्वम, जंगलीघाट मछली अवतरण केंद्र के सक्रिय मछुआरा हैं और यंत्रीकृत मछली पकड़ने के कार्य में संलग्न हैं। उन्हें मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा देशभर से चुने गए आठ मछुआरों में से चुना गया था। प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मछुआरों को

मिली सुविधाओं, कोल्ड चेन अवसंरचना और स्वच्छ मछली परिवहन व्यवस्था के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने उन्हें अंडमान के समुद्री क्षेत्र में टूना जैसी प्रजातियों के दोहन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी, जिससे द्वीपों के समुद्री निर्यात उद्योग को नया आयाम मिल सके।

<><><><><><><>

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर "बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांग बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर वर्चुअल सामूहिक चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में अनिम्स के मनोचिकित्सक डॉ. कुशल बैद्य और मनोवैज्ञानिक निधि प्रकाश ने मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से मुकाबला करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। चर्चा में मानसिक विकलांगता से जुड़े बच्चों की भावनात्मक व सामाजिक चुनौतियों और विद्यालयों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विशेष शिक्षकों, ब्लॉक व संसाधन कर्मियों, शिक्षकों और प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

उधर, अंडमान कॉलेज में भी इस अवसर पर जाँच शिविर और संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा कार्यशाला आयोजित की गई। मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर में छात्रों की स्वैच्छिक भागीदारी रही। जाँच के बाद मनोविज्ञान और समाजशास्त्र विभागों द्वारा सी बी टी पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना और तनाव प्रबंधन के व्यावहारिक उपाय सिखाना था।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त, अर्जुन शर्मा ने हाल ही में टीबी मुक्त भारत अभियान की छठी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में दक्षिण अंडमान जिले में टी.बी उन्मूलन के राष्ट्रव्यापी अभियान की प्रगति का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने अभियान के प्रमुख पहलुओं पर विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किए, जिनमें संवेदनशील आबादी की जांच और टीबी मुक्त पंचायत पहल की स्थिति शामिल है। चर्चाओं में सामुदायिक स्तर पर हस्तक्षेप को मजबूत करने, जागरूकता बढ़ाने और प्रभावित व्यक्तियों के लिए समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। जिला उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और अधिकारियों से टीबी मुक्त दक्षिण अंडमान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आउटरीच और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में जांच तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

<><><><><><><><>

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला टीबी अधिकारी, दक्षिण अंडमान द्वारा अक्टूबर माह में विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क एक्स–रे जाँच शिविर आयोजित किए जाएंगे। हैंड–हेल्ड एक्स–रे डिवाइस के माध्यम से यह जाँच की जाएगी। यह कार्यक्रम कल से शुरू होकर 31 अक्टूबर तक चलेगा। कार्यक्रम में शादीपुर, दिलानीपुर, डेयरी फार्म, जंगलीघाट, हैडो, मंगलूटान और छोलदारी के स्वास्थ्य केंद्रों में शिविर लगाए जाएंगे। जिला टीबी अधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों का लाभ उठाएं और टीबी मुक्त अंडमान बनाने में सहयोग दें।

<><><><><><><><>

पर्यटन निदेशालय की ओर से सतत पर्यटन पर व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। इस सिलसिले में कल दिन में ग्यारह बजे आपदा प्रबंधन निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में समुद्री जीवविज्ञानी और प्रकृतिवादी दीक्षा दीक्षित द्वारा 'पर्यटन का द्वीपीय तरीका' विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इस व्याख्यान का उद्देश्य द्वीप समूह के द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र और समुद्री जैव विविधता के अनुकूल सतत पर्यटन प्रथाओं के बारे में जानकारी देना है। विभाग ने आम जनता, छात्रों, पर्यटकों, स्कूबा डाइविंग संचालकों और प्रकृति प्रेमियों को इस सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

<><><><><><><><>

आई सी डी एस विभाग और सीडी ब्लॉक लिटिल अंडमान द्वारा हरमिंदर बे में आठवाँ राष्ट्रीय पोषण माह मनाया गया। इस अवसर पर निकोबारी समुदाय ने पारंपरिक पोषक व्यंजनों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन ब्लॉक विकास अधिकारी बेल्थाज़र ने किया। उन्होंने स्वस्थ आहार की महत्ता और सामुदायिक सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में जनजातीय परिषद के सचिव फीटस ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। आयोजन ने समाज में पोषण और स्वास्थ्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

<><><><><><><><>

आयुष शाखा, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय एवं अंडमान–निकोबार राज्य आयुष सोसाइटी द्वारा जंगलीघाट स्थित आयुष अस्पताल में 'आयुष पोषण मेला' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'राष्ट्रीय पोषण माह' के समापन अवसर पर हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वास्थ्य सचिव एवं एम.डी ऋचा थीं। उन्होंने आयुष विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए पोषण जागरुकता के लिए सामुदायिक पहल की प्रशंसा की। मेले में औषधीय पौधे, योग, प्राकृतिक आहार, हर्बल उत्पाद, और पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी

लगाई गई। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर, ए एन एम, आशा कार्यकर्ता, विद्यार्थी व आमजन शामिल हुए।

<><><><><><><>

इक्हत्तरवें वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर चिड़ियाटापू स्थित बायोलॉजिकल पार्क में "साँपों के बचाव, सुरक्षित हैंडलिंग और पुनर्वास तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अंडमान कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य द्वीपों की विशिष्ट जैव विविधता के संरक्षण के प्रति युवाओं में जागरुकता लाना था। प्रशिक्षण में छात्रों को साँपों के पारिस्थितिक महत्व, सुरक्षित पकड़ने और पुनर्वास की तकनीकें सिखाई गईं। उप–निदेशक मीरा नांबियार ने वन्यजीव संरक्षण में सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

<><><><><><><>